महत्वपूर्ण एवं खास

हाउसिंग बोर्ड कालोनीवासियों ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर से सटे परसुलीडीह के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनीवासी में पानी की किल्लत से रहवासी परेशान हैं. इस समस्या के चलते कॉलोनीवासी सडक़ पर उतरकर चुनाव बहिष्कार करने मजबूर हो चुके हैं. इससे पहले भी कॉलोनीवासी पानी को लेकर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दे चुके हैं. कॉलोनीवासियों का कहना है कि 4000 की आबादी वाले इस क्षेत्र में जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही के चलते अब तक लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच सका है. न विधायक न सरपंच और न ही नगर निगम इस समस्या का समाधान कर रहे. लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण को अब कुछ ही दिन बाकी है। भीषण गर्मी में पानी की समस्या को लेकर क्षेत्रवासियों ने बैनर पोस्टर लगाकर प्रदर्शन भी शुरू कर दिया है. लोगों का कहना है कि मोदी की गारंटी पर चुनाव में वोट दिया था, गारंटी अब देख ली है. अब पानी नहीं तो वोट भी नहीं देंगे. चुनाव का बहिष्कार करेंगे.

बहन को भगा देने का आरोप लगाकर मारपीट, अपराध दर्ज

कोरबा (आरएनएस)। चारपारा कोहडिया में मारपीट और तोडफोड़ से संबंधित घटना को लेकर पुलिस ने कुछ लोगों पर अपराध दर्ज किया। रात्रि को यह घटना हुई है। मामले में आगे की कार्रवाई करने की बात पुलिस ने कही। सीएसईबी चैकी प्रभारी भीमसेन यादव ने बताया कि सचिन धंधे चारपारा कोहडिया में निवासरत है। उसके साथ मामा के लडकों ने मारपीट की घटना को न केवल अंजाम दिया बल्कि उसके घर की छत को भी तोडफोड़ कर नुकसान पहुंचाया। सचिन ने जो कुछ जानकारी पुलिस को दी है उसमें कहा गया कि उस पर दूसरे पक्ष ने एक युवती को भगा देने का आरोप लगाया है जबकि इस मामले में उसकी कोई भूमिका है ही नहीं। प्रार्थी ने अपने स्तर पर उन लोगों को समझाने की पूरी कोशिश की लेकिन वे मानने को तैयार नहीं हुए और मारपीट की। उनके विरूद्ध आईपीसी की धारा 294, 323, 506, 427 और 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

नवीन उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए 10 तक आवेदन आमंत्रित

सुकमा (आरएनएस)। कलेक्टर हरिस. एस के निर्देशानुसार जिले के अनुविभाग छिंदगढ़ अंतर्गत एक नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान आबंटित किया जाना है। जिसके तहत विकासखण्ड छिंदगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुम्मा के ग्राम कलेबांगपारा में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु इच्छुक ग्राम पंचायत,स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व-सहायता समूह, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वन सुरक्षा समिति या सहकारी अधिनियम के तहत पंजीकृत अन्य संस्थाएं उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व छिन्दगढ़ में 10 मई 2024 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस बारे में विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व छिन्दगढ़ में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संपर्क किया जा सकता है।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़े

रायपुर (आरएनएस)। दुर्गा आटा चक्की के पास लोधीपारा में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर मोवा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से प्रार्थी कल्प नारायण पांडे 40 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी रोशन सेन, गोलू ठाकुर व कोनाल सेन ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थी रोशन सेन 42 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी कल्प नारायण पांडे ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। दोनों पक्षों की शिकायत पर मोवा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

लोकतंत्र के पर्व में दिखा जज्बा, दिव्यांग शबनम ने की होम वोटिंग

अपने ही हाथों से हस्ताक्षर कर मतपेटी में मतपत्र डाल किया मतदान

❒ चेहरें में आई खिलखिलाहट, माता इंदिरा ने धन्यवाद देते हुए सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील

रायपुर । आरएनएस

टवेल्थ फेल फिल्म में एक दृश्य इंटरव्यू का है। फिल्म के नायक यूपीएससी परीक्षा का इंटरव्यू दिलाने बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत होते हैं। बोर्ड उनसे कहता है कि जब हमारे पास आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों से पढ़े लोग हैं तो हम एक टवेल्थ फेल कैंडीडेट को क्यों चुने। फिल्म का नायक कहता है कि क्योंकि मैंने कठिन परिस्थितियों का सामना कर यह मुकाम हासिल किया है। आप एवरेस्ट में आक्सीजन सपोर्ट से चढऩे वाले पर्वतारोही की प्रेरणा को बड़ा मानेंगे या उस पर्वतारोही को जो बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के चढ़ा।

ऐसा ही जज़्बा लोकतंत्र के इस पर्व में देखा जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा 85 साल से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा दी गई है। हमारे दिव्यांगजन अपने हौसले के साथ मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण रायपुर ग्रामीण विधानसभा के ग्राम कांदुल में रहने वाली दिव्यांग बिटिया सुश्री शबनम यादव का है। उसने आज अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। पहले की तरह इस बार भी मतदान के अधिकार का उपयोग करने से उनके चेहरे में खिलखिलाहट थी लेकिन एक अंतर था। इस बार मशक्कत काफी कम हो गई थी इसलिए उसकी खुशी कई गुना बढ़ गई।

लोकतंत्र में मताधिकार का उपयोग जागरूक नागरिक के लिए बहुत मायने रखता है। पहले शबनम को अपने हाथों से गोद में उठाकर उनकी माँ इंदिरा बाई मतदान केंद्र ले जाती थीं। युवा बिटिया को उठाकर ले जाने में उन्हें जाहिर तौर पर कष्ट हुआ होगा, बिटिया को भी मतदान केंद्र तक पहुंचने और वोट डालने में दिक्कत भी आई होगी, लेकिन इनका जज्बा बहुत ऊंचा था। इस बार होम वोटिंग की सुविधा होने से मतदान शबनम के लिए काफी सरल हो गया। उनके घर मतदान दल पहुंचा काफी संक्षिप्त औपचारिता पूर्ण की। इस दौरान शबनम का हौसला दिखा। सुश्री शबनम ने अपने ही हाथों से हस्ताक्षर किया और अंगुली पर इंक लगवाई। फिर उनके लिए इंक्लोजर लगाया गया उसने अपने पसंद के प्रत्याशी को गोपनीय रूप से चयन किया। यहीं नही शबनम ने मतपेटी में अपने हाथों से बंद लिफाफा अंदर डाल मतदान किया। मतदान की खुशी उनके चेहरे पर छलक रही थी। उन्होंने अपनी ऊंगलियों का इशारा कर विक्ट्री साइन बनाया। शबनम की खुशी उन करोड़ों लोगों की खुशी है जो लोकतंत्र में मिले मतदान के अधिकार से हर्षित हैं और पूरी खुशी के साथ अपने इस अधिकार का उपयोग कर रहे हैं।

शबनम ने कहा कि पहले मुझे आज घर पर ही वोट देकर अच्छा लगा। इसके लिए मैं निर्वाचन आयोग को धन्यवाद देती हूं। उनकी मां ने इंदिरा बाई ने कहा कि मै अपनी खुशी बयां नही कर सकती। मेरी बेटी ने लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सा लिया वह भी घर में इतनी आसानी से, मैं सभी मतदाताओं से अपील करती हुं कि 07 मई को सभी अपने घरों से निकलें और सबसे पहले मतदान करें।

रेशम कोसा विभाग

70 कर्मचारी के भरोसे काम, लंबे समय से नहीं हुई रिक्त पदों पर भर्ती

कोरबा (आरएनएस)। श्रम शक्ति की उपयोगिता को लेकर लगातार सरकार जोर देती रही है लेकिन इन सबसे अलग छत्तीसगढ़ में संचालित हो रहे रेशम कोसा विभाग (सेरीकल्चर) की जो स्थिति है उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि सरकार इस मामले में गंभीर नहीं है। हालात ऐसे हैं कि कोरबा जिले में है इस विभाग का कामकाज गिनती के 70 कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है और प्रदेश में यह संख्या 1000 से भी कम है। रिक्त पदों पर भरती नहीं होने से कई प्रकार की आशंकाएं मजबूत हो रही है की कही यह विभाग बन्द ना हो जाये। गुणवत्तायुक्त कपड़ों को तैयार करने के मामले में रेशम कोसा अपनी विशेष भूमिका निभाते आ रहा है। छत्तीसगढ़ में अनेक स्थानों पर इस परियोजना को आगे बढ़ावा देने के लिए काम किए जा रहे हैं। यह सब गतिविधियां अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से संचालित हैं जो अब भी जारी हैं। जलवायु के हिसाब से रेशम कोसा का उत्पादन करना संभव होता है और इसी दृष्टिकोण से कोरबा सहित छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में इस उत्पाद के लिए काम किया जा रहा है। औद्योगिक पृष्ठभूमि वाले कोरबा जिले में भी रेशम कोसा उत्पादन पर कार्य चल रहे हैं और विभाग ने इसके लिए पांच विकासखंड में कोसाबाड़ी विकसित कर रखी है।

जिला मुख्यालय में नियमित कामकाज के साथ-साथ रेशम से धागाकरण करने वाली योजना पर प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई। इस काम में नए सिस्टम को जोड़ा गया है और अब उसके माध्यम से भी इस उद्यम में उत्साह दिखाने वाले लोगों को दक्ष करने की कोशिश की जा रही है। जानकारी के अनुसार कोरबा जिले में वर्तमान में सबसे कम संख्या वाला विभाग सेरीकल्चर हो गया है जहां पर कुल मिलाकर 70 का स्टाफ ही बचा हुआ है। जबकि बीते वर्षों में यह संख्या अच्छी खासी हुआ करती थी। सेवा अवधि के साथ जो कर्मचारी रिटायर हुए उसके बाद यहां का सेटअप ना तो परिवर्तित हुआ और ना ही इसके विरुद्ध नवीन वैकेंसी कॉल की गई और रिक्त पदों को भरा गया। मौजूदा स्थिति सीमित स्टाफ के साथ विभाग का कामकाज संचालित हो रहा है और इस वजह से कर्मचारियों को अतिरिक्त क्षमता लगानी पड़ रही है। जानकारी मिली है कि न केवल कोरबा जिला बल्कि छत्तीसगढ़ के संपूर्ण क्षेत्र में मिलाकर जहां कहीं इस विभाग का काम संचालित हो रहा है काम उनके कुल कर्मचारियों की संख्या वर्तमान में 1000 से भी काम हो गई है। इसलिए राज्य सरकार दूसरे विभागों की तुलना में रेशम कोसा विभाग को उसकी जिम्मेदारी के लिए जरूर से बहुत कम बजट उपलब्ध करा रहा है। इन सभी चीजों को एक तरफ छोड़ भी दिया जाए तो विभाग में लंबे समय से नई भर्ती नहीं किए जाने से अधिकारी और कर्मचारी न केवल परेशान है बल्कि वे इस बात को लेकर आशंकित है की कही राज्य सरकार की योजना अच्छे भले इस विभाग को बंद करने की तो नहीं है।

किसान की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या,पुत्र पर संदेह

बिलासपुर । आरएनएस

जिले के ग्राम सेलर में एक किसान पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई है। किसान मंगलवार की शाम अपनी खेत की फसल देखने गया था जो घर नहीं लौटा। और जब परिजन उसकी तलाश पर खेत पहुंचे तो वहां उसकी लाश खून से लथपथ पड़ी मिली। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सेलर निवासी कुशल प्रसाद साहू (65) पिता भगतराम साहू खेती किसानी करता था। वह अपनी खेत में बोर कराकर डबल फसल उगा रहा है। मंगलवार की शाम वह अपनी खेत में फसल देखने गया था, जिसके बाद वह रात तक घर नहीं लौटा। इस पर खाना खाने के समय उसके परिजन उसकी तलाश करते हुए खेत गए। जहां पंप हाउस के पास खेत में उसकी खून से लथपथ लाश पड़ी मिली। परिजन ने गांव वालों के साथ ही पुलिस को हत्या की जानकारी दी। हत्या की खबर मिलते ही पुलिस गांव पहुंच गई। खून से लथपथ शव को देखने के बाद पता चला कि किसान पर कुल्हाड़ी व धारदार हथियार से हमला किया गया है। पुलिस परिजन और ग्रामीणों से पूछताछ कर हत्यारे की जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक जांच व पूछताछ में जमीन विवाद के चलते कुशल की हत्या करने की बात सामने आई है।

21.530 किलोग्राम गांजा के साथ दो युवक व नाबालिग गिरफ्तार

धमतरी-रायपुर । आरएनएस

कोतवाली पुलिस पेट्रोलिंग को सूचना मिली की बस स्टैंड में यात्री प्रतीक्षालय के पास दो युवक संदिग्ध अवस्था में खड़े हैं की सूचना पर तत्काल पेट्रोलिंग रवाना किया गया। वहां जाकर घेरने की कोशिश की गई तो छुपने लगे,दोनों को पडक़र जब पूछताछ की गई। पूछताछ करने पर अपना नाम धर्मेंद्र सोनकर 27 वर्ष पिता हीरामन सोनकर साकिन फटिया थाना सैयदरजा जिला चंदौली उत्तर प्रदेश बताया,साथ में एक विधि से संघर्षरत बालक भी था। गवाहों के समक्ष तलाशी लिया गया तलाशी के दौरान दो बैग में लगभग साढे 21 किलो 530 ग्राम मादक पदार्थ , एक बैग में 10 किलो 270 ग्राम और दूसरे बैग में 11 किलो 260 ग्राम गांजा गवाहों के समक्ष जब्त किया गया।

कुल वजन 21 किलो 530 किलो ग्राम गांजा बाजार कीमती 2,15,300/-रू को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कर धारा 20 (ख)एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। एवं विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में सायबर से निरीक्षक सन्नी दुबे,कोतवाली से सउनि.विरेन्द्र बैस,आरक्षक देवेंद्र ध्रुव,मिथलेश तिवारी,सायबर से प्रधान आरक्षक देवेंद्र राजपूत, आरक्षक कृष्णा पाटिल, युवराज ठाकुर,वीरेंद्र सोनकर,योगेश नाग,योगेश ध्रुव,विकास द्विवेदी का विशेष का योगदान रहा।

20 किलो गांजा के साथ दो अंतराज्यीय तस्कर चढ़े आरपीएफ के हत्थे

रायपुर । आरएनएस

मंडल टास्क टीम रायपुर एवं आरपीएफ पोस्ट रायपुर के साथ सघन चेकिंग के दौरान लोकसभा चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर प्री इलेक्शन सीजर अभियान के तहत मुखबीर की सूचना के आधार पर रेसुब पोस्ट रायपुर प्रभारी निरीक्षक एस.के. दत्ता के नेतृत्व में उपनिरीक्षक के.बी.गुप्ता, सउनि डी सी एच एस बाबू, स उप नि.डी.के.वर्मा, प्र.आ. व्ही सी बंजारे, प्र.आ.पी.के.मेश्राम,आ. देवेश सिंह, आर.पी.एफ. टीम द्वारा आपरेशन नारकोस के तहत मुखबिर सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन रायपुर के प्लेटफार्म नंबर 05 बिलासपुर छोर एफ ओ बी सीढ़ी के पास मुखबिर के बताए हुलिया पहनावा एवम सामान के आधार पर 02 संदिग्ध व्यक्ति को दिनांक 30.04.2024 को समय 22.15 बजे 02 व्यक्ति को घेरा बंदी कर पकड़े दोनों के पास रखे एक एक पिठ्ठू बैग को चेक करने पर मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया नाम पता पूछने पर अपना नाम पता (1) दिनेश कुमार पिता राम चंद्र चौहान उम्र. 25 वर्ष निवासी- ग्राम कनीना , थाना-कनीना जिला- महेंद्र गढ़ (हरियाणा)

(2) सतीश कुमार वल्द रमेश चंद उम्र. 44 वर्ष ,निवासी- ग्राम नांगल मोहनपुर पोस्ट- रसूलपुर थाना- रसूलपुर कनीना जिला- महेंद्रगढ़ (हरियाणा) का दोनो रहने वाला बताया दोनों के पास रखे एक एक पिठ्ठू बैग में 04-04 पैकेट मादक पदार्थ मिला, बैगों को चेक करने पर कुल 08 पैकेट गांजा होना पाया गया जिसका कुल वजन 20 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसका कीमती 400000/(चार लाख रुपया) ,उक्त दोनों आरोपियो को एनडीपीएस एक्ट के तहत् विधिवत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपी ने बताया कि बरामद गांजा को उडिसा से खरीदकर सडक़ मार्ग से रायपुर आना और रेल मार्ग से दिल्ली जाने के लिए गाड़ी का इंतजार कर रहा था कि पकडा गया

कार्यवाही में पकड़े गए उक्त दोनों आरोपीयो व जप्त शुदा मादक पदार्थ गांजा सहित विधिवत कार्यवाही उपरांत आरोपी को जब्त गांजा ,संपूर्ण कागजात के साथ शासकीय रेल पुलिस थाना रायपुर को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया जिस पर शासकीय रेल पुलिस थाना रायपुर द्वारा अपराध क्रमांक - 61/2024 धारा-20(बी) एनडीपीएस एक्ट दिनांक 01/05/24 का मामला पंजीबद्ध कर उक्त आरोपीयो को विशेष एनडीपीएस न्यायालय रायपुर के समक्ष पेश किया गया।

बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को सशक्त बनाना एक सहयोगात्मक प्रयास

सिरपुर । आरएनएस

सिरपुर के बांसकुडा गांव में बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम एक पहल है जिसका उद्देश्य पारंपरिक शिल्प को संरक्षित और बढ़ावा देते हुए स्थानीय ग्रामीणों को व्यावसायिक कौशल के साथ सशक्त बनाना है। सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) ने बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को सशक्त बनाने की सराहनीय पहल की है। आजीविका के अवसरों को बढ़ाने और निरंतर/पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कार्यक्रम ने महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों को बांस शिल्प कौशल में व्यावहारिक कौशल प्रदान करना, समुदाय के भीतर उद्यमशीलता और आय सृजन को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम का उद्देश्य बांस, एक नवीकरणीय और पर्यावरण-अनुकूल संसाधन का उपयोग करके पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम स्थानीय ग्रामीणों को बांस शिल्प कौशल में प्रशिक्षित करने, उन्हें घरेलू वस्तुओं से लेकर सजावटी सामान तक विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाने के लिए आवश्यक कौशल से युक्त करने पर केंद्रित है। क्षेत्र के अनुभवी कारीगरों और विशेषज्ञों के नेतृत्व में, प्रशिक्षण में बुनाई, नक्काशी और बांस को जटिल डिजाइनों में आकार देने सहित विभिन्न तकनीकों को शामिल किया गया है। बांस शिल्प इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व रखता है, इसके उत्पादों की स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग है। प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करके, कार्यक्रम न केवल पारंपरिक शिल्प कौशल को संरक्षित करता है बल्कि ग्रामीणों के लिए स्थायी आजीविका के रास्ते भी बनाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए सिरपुर साडा ने राष्ट्रीय बांस मिशन के विशेषज्ञों के साथ सहयोग किया है। पाठ्यक्रम में बांस शिल्प के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें कटाई तकनीक, प्रसंस्करण और टोकरियाँ, फर्नीचर और सजावटी वस्तुओं जैसे विविध हस्तशिल्प बनाना शामिल है। अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किए गए सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ हाथों-हाथ सीखने को सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाते हैं।

मोतियाबिंद मुक्त बस्तर के लिए जल्द शुरू होगा तीसरा चरण, दो चरणों में 3412 मरीजों का किया इलाज

जगदलपुर । आरएनएस

शासन-प्रशासन की मंशा प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले यह प्रमुख लक्ष्य रहा है, इसी के तहत बस्तर जिले में नेत्र से संबंधित बीमारी मोतियाबिंद से जिले को निजात दिलाने के लिए विगत वर्ष दो चरणों में सघन मोतियाबिंद जांच एवं उपचार अभियान संचालित किया गया। जिसमें जिले के कुल 3774 मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों का चिन्हांकन कर 3712 मरीजों का ऑपरेशन किया गया। यही नहीं जिले में समीपवर्ती जिलों एवं अन्य क्षेत्रों के मरीजों को मिलाकर कुल 4198 मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों का ऑपरेशन किया गया। राज्य स्तर से गत वर्ष जिले को मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु 4500 का लक्ष्य आबंटित किया गया था। जिसके विरुद्ध 4198 मरीजों का ऑपरेशन कर लाभान्वित किया गया। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिले में अब पुन: मोतियाबिंद जांच एवं उपचार अभियान चलाया जाएगा। ज्ञात हो कि कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बस्तर जिले को मोतियाबिंद मुक्त जिला बनाने हेतु विशेष प्रयास करने के साथ ही नेत्र चिकित्सा के लिए स्थापित विशेष अस्पताल अंबक की सुविधाएं मरीजों को जरूरत के अनुसार प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर पूर्व में किये गए सघन सर्वे अभियान की तरह पुन: सघन मोतियाबिन्द सर्वे अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस दिशा में स्वास्थ्य विभाग के समस्त कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों को सघन सर्वे अभियान प्रारंभ कर नियमित रिर्पोटिंग करने के साथ ही संभावित मरीजों का सत्यापन कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल डिमरापाल एवं जिला महारानी अस्पताल में स्थित अंबक अस्पताल में ऑपरेशन करवाने के लिए निर्देश दिये गए हैं। ऑपरेशन के लिए मरीजों को लाने एवं घर तक पहुंचाने हेतु नि:शुल्क आवागमन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। गांवों में सर्वे कार्य हेतु पंचायत सचिवों एवं अन्य मैदानी अमले से भी समन्वय किया जाएगा।

प्रशासन द्वारा इस सर्वे से पहले गत वर्ष 15 मई से 15 जून 2023 तक प्रथम चरण तथा 23 से 30 नवम्बर 2023 तक द्वितीय चरण में जिले के सातों विकासखण्ड के कुल 3712 मरीजों को उपचार उपरांत स्वास्थ्य लाभ हुआ। मोतियाबिंद सर्वे अभियान का लाभ जिले के अंदरूनी इलाकों के मरीजों को भी मिला। जिनमें एक देवकी ठाकुर थी जो कलेक्टर से विकासखंड लोहंडीगुड़ा अंतर्गत दूरस्थ ग्राम हर्राकोडेर भ्रमण के दरमियान उनकी माताजी ने मिलकर आपरेशन की गुहार की थी। कलेक्टर के निर्देश पर कुछ ही दिन बाद देवकी का उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किया गया।देवकी ने स्वस्थ होने के बाद कलेक्टर को पुष्प भेंटकर ईलाज के लिए आभार व्यक्त की।

विशेष चिकित्सालय में 1826 मरीजों का हुआ ईलाज- बस्तर जिले को मोतियाबिंद मुक्त जिला बनाने और मरीजों को नेत्र से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए बीते साल जिला अस्पताल में सर्वसुविधायुक्त विशेष अस्पताल अंबक प्रारंभ किया गया है।जिसमें अब तक 1826 मरीजों का मोतियाबिंद इलाज किया गया है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में नेत्र से संबंधित बीमारियों की उपचार सुविधा प्रदान की जा रही है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU